>

Title: Need to set up Central Agriculture University in Uttarakhand.

श्री सतपाल महाराज (गढ़वाल): महोदय, मैं आपके माध्यम से इस सदन का ध्यान उत्तराखण्ड में केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय स्थापना की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। उत्तराखण्ड राज्य की लगभग 70 प्रतिशत जनसंख्या मुख्यतः कृषि पर ही निर्भर है। विषम भौगोलिक परिस्थितियों, पर्वतीय व वन्य क्षेत्र बहुल होने के कारण वहां आय का मुख्य साधन कृषि ही है। जिस प्रकार अन्य राज्यों में कृषि विश्वविद्यालयों द्वारा वहां की जनता को कृषि के आधुनिक एवं व्यावसायिक तरीकों की जानकारी दी जाती है। उसी प्रकार उत्तराखण्ड में भी कृषि के आधुनिक तरीकों की जानकारी के लिए केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय की नितांत आवश्यकता है।

कम तापमान व पर्वतीय राज्य होने के कारण वहां विभिन्न प्रकार के पारंपरिक पर्वतीय खाद्य पदार्थ जैसे मंडुवा, क्वादा व झंगुरा आदि के उत्पादन को प्रोत्साहन मिलेगा और साथ ही उनकी उत्पादकता का विकास भी होगा जिससे वहां के निवासियों की आय में वृद्धि होगी और उनका जीवन स्तर ऊंचा होगा।

महोदय, राज्य में कृषि विश्वविद्यालय के लिए पौड़ी जिले का भरसार क्षेत्र उपयुक्त है। वहां वीर चंद्र सिंह गढ़वाली कॉलेज ऑफ हार्टीकल्चर 175 हैक्टेयर भूमि में है। यदि उसे केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के रूप में उच्चीकृत कर दिया जाए तो पर्वतीय क्षेत्र के किसानों को विशेष लाभ प्राप्त होगा।

अत: मेरा आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि वह उत्तराखंड राज्य में कृषि के प्रोत्साहन व विकास के लिए पौड़ी जिले के अंतर्गत भरसार क्षेत्र में स्थित वीर चंद्र सिंह गढ़वाली कॉलेज ऑफ हार्टीकल्चर को केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के रूप में उच्चीकृत करने के लिए समुचित कार्यवाही करे।